बाबा की आज की मुरली पर हमारा पुरुषार्थ ------- Date: 26-06-2014

बाबा ने आज पूरी मुरली में याद पर जोर देते हुए कहा - पहले हर एक को यह मंत्र कूट-कूट कर पक्का कराओ कि तुम आत्मा हो, तुम्हें बाप को याद करना हैं, याद से ही पाप कटेंगे.

पुरुषार्थ -- बाबा ने आज कि मुरली में जितनी बार याद के बारे में कहा हैं, वह अगर हम एक बार लिखेंगे तो उतने समय बाबा कि याद में गिना जायेगा और बाबा की याद पक्की होती जायेंगी.

जब कोई नया आये तो पहले-पहले बाप से चित्र के पास उनको कहना हैं - बाबा कहते हैं अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो.

अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो क्योंकि तुम जो पतित बने हो फिर पावन सतोप्रधान बनना हैं.

बाबा कहते हैं मामेकम याद करो. अपने को आत्मा समझो तो बेड़ा पार हैं. याद करते करते पवित्र दुनिया में पहोच जाना हैं.

बाप को याद किया? बाबा, बाबा भी हैं, रचना का रचयिता भी हैं.

पहले-पहले तो यह निश्चय कराना हैं. बाप को याद करते हों? यह नॉलेज बाप ही देते हैं.

पहले-पहले यह जरूर समझाना चाहिए - अपने को आत्मा समझ मामेकम याद करो.

यह तो पहले-पहले बुद्धि में बिठाओ. बाप को याद करना हैं तब ही तुम पतित से पावन बन सकेंगे.

तुम उनको बाप की याद दिलायेंगे. उसमें तुम बच्चों का भी कल्याण हैं. तुम भी मनमनाभव रहेंगे.

भगवानूवाच - मामेकम याद करों तो तुम्हारे पाप कट जायेंगे.

तुम बनते हो देही-अभिमानी. बाप को याद करने वाले.

बाप कि श्रीमत् हैं कि मामेकम याद करो.

तुम पवित्र बनेंगे और बाप को याद करेंगे तो बाप कहते हैं में साथ ले जाऊंगा.

बाप तुम बच्चों को भी कहते हैं चलते, फिरते, उठते बाप को याद करते रहो.

भल चक्र लगाओ, घूमो फिरो, बहुत रुचि से बाप को याद करो.

अन्दर से बाबा-बाबा कि उछल आनी चाहिए. उछल उनको आयेगी जो हर दम बाप को याद करते रहेंगे.

जब तुम बाप कि याद में लग जायेंगे तब तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे.

भगवानुवाच मुझे याद करो.

भगवानुवाच- मुझे याद करो तो पाप भस्म होंगे.

बाप को याद करना कोई मासी का घर नहीं. मन-बुद्धि को सब तरफ से हटाकर एक तरफ लगाना हैं.

बाप कहते हैं मामेकम याद करो, इसमें मुझना नहीं हैं.

तुम खाना पकाने वालों को भी कहते हो - शिवबाबा को याद कर भोजन बनाओ तो खाने वालों की बुद्धि शुद्ध हो जायेगी.

अच्छा, 5 मिनट भी प्यार से बाप को याद किया तो राजधानी में आ जायेंगे.

सबको कहते हैं बाप को याद करों तो पतित से पावन बन जायेंगे.

भगवानुवाच - बाप हम बच्चों को समझाते रहते हैं मुझ बाप को याद करों.

याद से ही तुम्हारी कर्मातित अवस्था आयेंगी.

बाप का परिचय देने से ही बाप को जितना याद करेंगे तो तमोप्रधान से सतोप्रधान बनेंगे.

ॐ शांति. Please give your feedback to Atmabhai - a.brahmin.soul@gmail.com.